# कृषि विज्ञान केन्द्र, उज्जैन
# (रा.वि.सि.कृ.वि.वि., ग्वालियर)

## सफलता की कहानी किसान की जुबानी

**कृषक का नाम – श्री मो. अकरम/अब्दुल गफ्फार खान**
**विकास खण्ड– घटिया** **खेती – 2 है.**
**ग्राम– पान बड़ोदिया** **फल का बगीचा – संतरा 70 पेड़**
**जिला–उज्जैन** **स्थापना –2001**

मैं मो. अकरम द्वारा वर्ष 2001 में संतरे का बगीचा लगाया गया था। लेकिन 6 वर्ष व्यतीत हो जाने के बावजूद भी फल का बहार प्राप्त नहीं हुआ । मेरे द्वारा मात्र अन्तराशस्य खेती के रूप में सोयाबीन एवं चने की खेती की जाकर आय 55 से 60 हजार रूपये प्रति वर्ष प्राप्त की गई जिसके कारण मेरे परिवार का भरण पोषण करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था । मैं आर्थिक रूप से बहुत परेशान हो चुका था मेरे द्वारा बगीचे की स्थापना में काफी व्यय किया जा चुका था लेकिन फल का बहार नहीं आने से कृषि से सम्बद्ध उद्यान विभाग इत्यादि सरकारी संस्थाओं से संपर्क किया गया फिर भी बगीचे में फल का आगमन नहीं हुआ । तत्पश्चात मेरे परिवार द्वारा बगीचे को काट कर उसके स्थान पर पारम्परिक प्रचलित खेती जैसे सोयाबीन, चने इत्यादि का किये जाने का निर्णय लिया गया जिससे अधिक से अधिक आय प्राप्त कर लाभ कमाया जा सकें । मैं काफी परेशान हो चुका था एवं दुखी था इसी बीच मेरा सम्पर्क 19–5–2007 को कृषि विज्ञान केन्द्र, उज्जैन के वैज्ञानिकों द्वारा ग्राम भ्रमण के समय हुआ । वैज्ञानिकों द्वारा समुचित सुझाव देते हुए बगीचे को नहीं काटे जाने का सुझाव दिया साथ ही मुझे विभिन्न प्रकार के तकनीकी ज्ञान को देते हुए बगीचे में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया । मेरे द्वारा वैज्ञानिको के बताये हुए सुझावों पर अमल किया गया जिससे बगीचे में अन्ततः फल का बहार प्राप्त करने में सफलता प्राप्त हुई । मैं एवं मेरा परिवार बगीचे में फल आने से काफी खुश हूं और जिले के अन्य किसानों को भी संदेश देना चाहता हूं कि किसान भाई कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों से सम्पर्क कर अपनी खेती में तकनीकी जानकारी का समावेश कर अधिक से अधिक लाभ प्राप्त कर सकते है एवं आार्थिक हानि से बच सकते है ।

### वैज्ञानिकों द्वारा दिया गया तकनीकी सुझाव :

1. 2 माह तक पानी बंद करने का सुझाव दिया गया (**Water Witheld**)
2. पेड़ों की गुड़ाई की जाकर जड़ों को बहार निकालना (**Root Exposure**)
3. पोधों की पत्ती झड़ने के समय थाले विधि से खाद एवं उर्वरक दिया जाकर थाले को बन्द कराया गया ।
4. **NPK 250g :450g : 500g + 10 kg** सड़ी गोबर की खाद प्रति पोधा
5. मिश्रित सूक्षम पोषक तत्वों के घोल का फव्वारा विधि से उपयोग कराया गया ।

6. जिंक सलफेट 2.5 किग्रा., कापर सलफेट 1.5 किग्रा, मेगनिशियम सल्फेट 1.0 किग्रा, मेगनीज सल्फेट 1.0 किग्रा, फैरस सल्फेट 1.0, बोरिक ऐसिड 1.0, सिलिका लाइम 1.0, युरिया 4.5, पानी 450 लीटर ।

वैज्ञानिकों द्वारा सुझाव अनुसार बगीचे में कार्य सम्पन्न किया गया एवं साथ ही समस्त तकनीकियों का उपयोग किया गया । तदोपरान्त बगीचे में फल का बहार आने से प्रथम बार (एक लाख दस हजार ) 110000/– की आय प्राप्त हुई साथ ही अन्तराशस्य फसल के रूप में बगीचे से 120000/– की अतिरिक्त आय प्राप्त हुई । इस प्रकार मुझे शुद्ध लाभ 197244/– की प्राप्त हुआ और बगीचे को भी जीवनदान प्राप्त हुआ । मैं वर्तमान में काफी खुश हूं एवं मेरी माली हालत में काफी सुधार हुआ जिसका श्रेय कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों को जाता है । क्योंकि यदि मेरी मुलाकात वैज्ञानिकों से नहीं होता तो काफी नुकसान हो जाता ।

**अ. व्यय विवरण :**

| **"क.** | **तकनीकी/सामग्री /कार्य** | **व्यय राशि** |
|---|---|---|
| 1 | पानी को बंद करना | कोई व्यय नहीं |
| 2 | रूट एक्पोसर श्रमिक द्वारा | 500 /– |
| 3 | खाद एवं उर्वरक मूल्य | 756 /– |
| 4 | खाद प्रयोग में श्रमिक व्यय | 200 /– |
| 5 | अन्तरशस्य क्रियाएं | 300/– |
| 6 | रखवाली व्यय | 1000 /– |
| 7 | सोयाबीन खेती में व्यय राशि | 20000/– |
| 8 | चने की खेती में व्यय | 10000/– |
| | **कुल व्यय** | **32756** |

**ब. आय विवरण :**

| **क.** | **तकनीकी/सामग्री /कार्य** | **आय राशि** |
|---|---|---|
| 1 | बगीचे की नीलामी कार्य | 110000/– |
| 2 | अन्तरवर्तीय फसल सोयाबीन से आय | 60000/– |
| 3 | अन्तरवर्तीय फसल चने से आय | 60000/– |
| | **कुल आय** | **230000/–** |
| | **शुद्ध लाभ(ब–अ)** | **197244/–** |